SUNRICE

PRETILACHLOR 50% EC (Selective Herbicide)

Caution : "Not To Be Used On Crops Other Than Specified On This Label/leaflet".

It is a selective pre-emergence broad spectrum herbicide which contains Pretilachlor a.i. 50% by mass and balance adjuvants.

recommendation for use :

Crop	Common Name of weeds	a.i.	Dosage/Ha Formulation (gm)	Dilution in (Ltr.)	Waiting period between last spray and harvest (day)
Transplanted rice	Echinocloa crusgalli Echinocloa colonum Cyperus difformis Cyperus iria Fimbristylis miliacea Eclipta alba Ludwigia pulviflora Leptochloa chinensis Monochorea vaginalis, Panicum repens	500-750	1.0 to 1.5	500-750	75-90

Equipment used in application : Knapsack sprayer, Compression Knapsack sprayer with flat fan flood jet nozzle.

Time of application : Application should be made as pre-emergence within 5 days after transplantation.

Sings and Symptoms of Poisoning : Headache, nausea, vomiting, sedation, dysnoea, exopthaimus, curved position and ruffed fur.

First Aid Measures : 1. If swallowed, induce vomiting by ticking the back of throat. 2. If skin and clothes are contaminated, wash the contaminated skin and clothes with plenty to water and soap. 3. If eyes are contaminated, flush the contaminated eyes with normal saline water for 10 to 15 minutes. 4. Remove the patient into fresh air.

Antidotes : Treat symptomatically.

Storage : 1. The packages containing the herbicide shall be stored in separate room or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide. 2. The rooms or premises meant for storing the herbicide shall be well buil, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Disposal of Empty containers : 1. Packages or surplus materials and washing from the machines and containers should be disposed of in a safe manner so as to prevent environmental water pollution. 2. The used packages shall not be left outsind to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and burried away from habitation.

Precaution by users : 1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of Spillage or splashes. 2. Do not mix with bare hands. 3. After each operation the mixing and spraying equipment is to be rinsed thoroughly with plenty of water, using detergent or soap solution before being put to use for spraying other pesticides. 4. Any surplus spray solution must not be disposed off in crop lands in stagnant or flowing waater, where there is a possibility of polluting water sources. 5. The user should use full protective clothings which include rubber gloves boots, either face shield or dust mask and overall or rubber apron, hood or hat. 6. Do not smoke, eat or drink during handling and application.

Chemical composition :

Pretilachlor (Min. purity 94% w/w a.i.)	: 50.0% w/w
Emulsifying Agent Ethoxylated vegetable oil	: 4.40% w/w
Surfactant / Wetting Agent Alky Aryl Sulfonate of Calcium salt	: 3.60% w/w
Stabilizer : Epoxidised Vegetable Oil	: 3.0% w/w
Solvent C-IX	: q.s. to make
Total	: 100.00% w/w

सनरैस

प्रेटिलाक्लोर ५०% ईसी (घासपातनाशक)

चेतावनी : इस लेबल/हस्तपत्रिका मे दी गई फसलो के अलावा अन्य कोईभी फसल पर इसका उपयोग ना करें ।

यहएक चुनिंदा बहुमुखी उगने से पहले से प्रयोग किये जाने वाला घासपात नाशक है, जिस में भारानुसार प्रटिलाक्लोर सक्रिय तत्व ५०% है। तथा बाकी संबन्धित पदार्थ है।

उपयोग:-

फसल	खरपतवारों के सामान्य नाम	स.त. (ग्रा.)	मात्रा-हेक्टर संरचना (ली.)	पानी की मात्रा (लीटर)	आधिरी छिडकाव तथा फसल काटने के बीच का अंतराल (दिनों में)
रोपा हुआ	धान समा जंगली थान, मारफुला छात्रीवाला मोथा, मोथा बोडी, भागडा, मुहानली, लेप्टेक्लोआ चयनेनसिस, मेनोकोरिया वागोनलिस पेनिकेम रेपेनस	५००-७५०	१.० से १.५	५००-७५०	७५-६०

उपयोग में आने वाले यत्रं :

नैपसेक स्प्रयर, कम्प्रेशन नैपसेक स्प्रयर, जिसमें फलजफेन फलड जैट नाजिल लगा हों।

उपयोग के समय :

घासपात उगने से पहेल रूपाई के ५ दिन बाद।

विष के लक्षण : सिरदर्द, उल्टी, मिलली, बेहोशी, सास कि तकलीफ, ऑख में जलन, ऐठन तथा अव्यवस्थि रोऐ।

प्राथमिक उपचार :

१. अगकर घासपातनाशक निगल ली गई हो तो रोगी की गले के पिछले हिस्स में उगली डाक्लक उल्टी कराएं। २. अगर त्वचा और कपडें घासपातनाशक से दुषित हो गया हो तो दुषित त्वचा और कपडें को अधिक पानी और सावुन से खुब धोएं । ३. अगर आखों में घासपातनाशक चली गई हो तो दुषित ऑखों को सेलाइन पानी से १० से १५ मिनट तक थोए। ४. रोगी को स्वच्छ हवा में ले जाऐं।

विष प्रतिरोधक : लक्षणानुसार इलाजकरें।

भंडारण :

१. घपांतनाशक के पैकटो को ऐसे कमरों या स्थान में रखना चाहिए जो कि उन कमरो तथा स्थान से अलग हो जिनका प्रयोग खाद्य-पदार्थो-अथवा अन्य घरेलु सामान रखने के लिये किया जाता हैं। या अलग-अलग आलमारीयों में घासपातनाशक की प्रकृति व परिमान के हिसाब से ताला चाभी लगाकर रखना चाहिए।२. जिस जगह अथवा कमरें में घासपातनाशक का भंडारण करना को वह अच्छी तरह बना हुआ, सुखा प्रकाश युक्त, हवादार तथा काफी लम्बा जौडा होना चाहिए ताहि घासपातनाशक की वाष्प से वातावरण के दुषित होने का डर पैदा न हो सकें।

खाली डिब्बों का निपटारा : १. खाली डिब्बों तथा अवाशिष्ट पदार्थो मशीन के थोवन का निवारण ऐसे सुरक्षित रीति से करना चाहिए कि पानी तथा वातावरण के प्रदुषित होने का खतरा न रहें। २. प्रयुक्त घासपातानाशक के खाली डिब्बों को खुले स्थान में नही छोडना चाहिए जिससे कि उनके दुबारा प्रयोग करने से बचा जा सकें। ३. खाली डिब्बों को तोड मरोड कर आबादी से दूर जमीन में गाडं कर रखना चाहिए।

प्रयोगकर्ताओ के लिए सावधानियॉ:

१.घोल तैयार करते समय सास द्वारा अन्दर न जाने दे और न ही चमडी से स्पर्स होंने दें। २. इसे नंगे हाथो से न मिलाये। ३. हर प्रयोग के बाद दूसरे घासपातानाशक के छिडंकाव से पहले मिश्रण करने के साधन तथा छिडकाव के यंत्र को डिटरजेंट साबुन लगाकर खूब पानी से अच्छी तरह से धो ले। ४. कोई भी बचा हुओ घोल फसल वाले खेत या ठहरे हुए पानी में जहां के प्रदुषित होने की संभावना न हो वही फेलाना चाहिए। ५. उपयोग कर्ता को बचाव के पूरे कपडे पहनने चाहिए जिसमें रबर के दास्ताने, गम-बूट, गोगल्स, गैस मास्क, मुहँ ढकने की ढाल, रबर का एप्रान, कंटोप या हैट व पूरे शर्रार करे ढकने वाला लम्बा कोट शामिल है। ६. प्रयोग और छिडकाव करते समय धुम्रपान, खान-पान न करें।

चेतावनी और सीमाऐं: जॉमधुमक्खी, मछली, पालतु जानवर, खेल के मैदान, जनवरों और चिडियों के नुक्सान की संम्भवना हो, छिडकाव करें।

रासायनिक संघटन :

प्रटिलाक्लोर (सक्रिय तत्व ९४ प्रति शुद्धता पर आधारित)	: ५०.०% भार/भार
इमल्र्सीफाइग एजैन्ट :	
इथोक्सिलेटेड वेजिटेबल ऑयल	: ४.४०% भार/भार
सर्फेक्टन्ट-वेटिंग एजेंट : एल्काइल एराइल सल्फोनेट आफ कैल्सियम साल्ट	: ३.६०% भार/भार
स्टेबिलाजर :	
इपोक्सिडाइज्ड बेजिटेबल ऑयल	: ३.००% भार/भार
घोलक : सी-नाइन	: पर्याप्त मात्रा
कुल	: १००.००% भार/भार

సన్‌రైస్

ప్రెటిలాక్లోర్ 50% ఇసి (ఎంపికచేయబడ్డ కలుపునాశిని)

హెచ్చరిక : జతపరచిన కరపత్రములో పేర్కొన్న పైర్లపైనే ఈ మందును ఉపయోగించవలెను. మిగతాపైర్లపై ఉపయోగించరాదు.

ఇది ఒక మొలకెత్తిన కలుపుమొక్కలను చేయు బ్రాడ్, స్పెక్ట్రం కలుపునాశిని. దీనిలో ప్రెటిలాక్లోర్ స.ప. 50% మిగిలిన ద్రావణ మూలకములు.

సిఫారసులు :

పైరు	కలుపు సాధారణ నామము	సక్రియ పదార్థము స.ప.	మోతాదు/హెక్టారు మిశ్రమము (గ్రా.)	నీరు (లీ.)	చివరి పిచికారి తర్వత వేచియుండు కాలము (రోజులలో)
వరి	ఎకినోక్లోవాక్రస్ గల్లి (బార్నియర్ గ్రాస్), ఎకినో క్లోవా కొలొనం సైపరస్ డిఫార్మిస్ సైపరస్ ఇరియా నాట్‌గ్రాస్ ఫింబ్రిస్టైలిస్ మిలిమేసి ఎక్లిప్త అల్బా లుడ్విజియ పుల్విఫ్లోర లెప్టొక్లోవాకైనెన్సిస్ మోనొకొరియా వజినాలిస్ పానికంరిపెన్స్	500-750	1.0-1.5	500-750	75-90

పిచికారి పరికరము : నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్, కంపెషన్, నాప్‌సార్ స్ప్రేయర్, ఫ్లాట్‌ఫ్యాన్ ఫ్లడ్‌జెట్ నాజిల్ బిగించబడినది.

వాడుసమయము : వరినాటిన 5 రోజులలో పువాడవలెను.

విషలక్షణములు: తలనొప్పి, త్రిప్పుట, వాంతులు, బలహీనత, కళ్ళు తేలవేయడం మొదలైనవి.

ప్రథమ చికిత్స : 1. మింగినచో గొంతు దగ్గర వేళ్ళు ఆడిస్తూ వాంతి చేయించవలెను. 2. కలుషితమైన దుస్తులు మరియు చర్మములను సబ్బు మరియు నీటితో బాగుగా శుభ్రపరచుకొనవలెను. 3. కళ్ళలో పడినచో 10-15 నిమిషములు బాగుగా కడగవలెను. 4. రోగిని ఆరుబయటగాలిలోకి తీసుకు వెళ్ళండి.

విరుగుడు : రోగిలక్షణములను బట్టి చికిత్స చేయవలెయును.

నిల్వయుంచుట : 1. ఆహార పదార్థములు మరియు తను బందారములు లేని గదిలో అల్మారాలలో తాళం వేసి సురక్షితంగా నిల్వచేయాలి. నిల్వపరచు గదులు బాగుగా గాలి వచ్చునట్లు నీరు మరియు మట్టి కలుషితము కాని విధముగా ఉండాలి.

ఖాళీడబ్బాలు :1. బాగుగా శుభ్రపరచిన ఖాళీ డబ్బాలు నీరు మరియు మట్టి కలుషితము కాని విధముగా పాతిపెట్టాలి. 2. ఖాళీ డబ్బాలు మరలవాడు ఆస్కారమున్నందున పారవేయారాదు. 2. పగులగొట్టి హానికలగని రీతిలో పాతి పెట్టాలి.

ముందు జాగ్రత్తలు : 1. మందు ద్రావణం పీల్చడం మరియు చర్మముకు పైని గాయాలకు తగులనీయకండి. 2. మామూలు చేతులతో మందు ద్రావణం కలపకండి. 2. ప్రతిసారి పిచికారి తర్వాత స్ప్రేయరును బాగుగా శుభ్రపరచవలెను. వేరే విధముగు మందు పిచికారికి ముందు సబ్బు నీళ్ళతో కడిగి ఆరనివ్వవలెను. 4. మిగిలిన మందు ద్రావణము పొంచములలో కాని, నిలిచి ఉన్న నీటిలో గాని, తున్న నీటిలో గాని పారవేయరాదు. దీనితో నీరు కలుషితము కాకుండ ఉంటుంది. 5. సురక్షితమైన దుస్తులు చేతితొడుగులు, రబ్బరు బూట్లతో బాటు ముఖకాపచము ముందు భాగాన్ని కప్పిం ఉంచేవి మరియు అప్రాన్ టోపిపలను ధరించవలెను. 6. పొగ పీల్చుట, తినుట లేక త్రాగుట పంటివి చేయరాదు.

రసాయనిక :

ప్రెటిలక్లోర్ (కనీస శుద్ధత 94% భా/భా ఆధారంగా)	: 50.00% భా/భా
ఎమల్సిఫైయింగ్ ఎజంట్ : ఎథాక్సిలెటెడ్ వెజిటబుల్ నూనె	: 4.40% భా/భా
సర్ఫక్టంట్/వెట్టింగ్ ఏజంట్ :	
అల్కిల్ అరిల్ సల్ఫొనేట్ ఆఫ్ కాల్షియం సాల్ట్	: 3.60% భా/భా
స్టెబిలైజర్: ఎక్స్‌పొడైస్డ్ వెజిటబుల్ నూనె	: 3.00% భా/భా
కరుగు ద్రావణం సి-9	: క్యూ.యస్. తయారికి
మొత్తం	: 100.00% భా/భా

SUNRICE

PRETILACHLOR 50% EC (Selective Herbicide)

సన్‌రైస్

ప్రెటిలాక్లోర్ 50% ఇసి (ఎంపికచేయబడ్డ కలుపునాశిని)

सनरैस

प्रेटिलाक्लोर ५०% ईसी (घासपातनाशक)

ಸನ್‌ರೈಸ್

ಪ್ರೆಟಿಲಾಕ್ಲೋರ್ 50%ಇಸಿ (ಆಯ್ದ ಸಸ್ಯನಾಶಕ)

Caution : "Not To Be Used On Crops Other Than Specified On This Label/leaflet".

INSTRUCTIONS FOR USE

KEEP OUT OF THE REACH OF CHILDREN

పిల్లలకు దూరముగా ఉంచండి.

बच्चों से दूर रखिए।

ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಸಿಗದಂತೆ ದೂರವಿಡಿ.

सावधान ಗಮನಿಸಿ

CAUTION

GREEN

READ THE ENTIRE LABEL AND LEAFLET BEFORE USE

ఉపయోగించుటకు ముందు లేబిల్‌ను మరియు కరపత్రమును జాగ్రత్తగా చదువవలయును.

इस्तेमाल करने से पहले सारी पर्ची पूरी तरह पढिये।

Manufactured & Marketed by :

Aegis™

Agro Chemicals India Private Limited

237, Main Road, Mallepally (V),

Kondapur (M), Sangareddy Dist - 502295. Telangana State.

Customer Care Manager No. +91 8498099536

Email: aegisagrochemicals@gmail.com / www.aegisagro.com

Mfg Licence No: 019/TS-IML/2016

Reg.No.: CIR-111288/2014-PRETILACHLOR (EC) (344)-44

For Agriculture use only. केवल कृषि उपयोग के लिए।

सनरैस

प्रिटिलाक्लोर ५०% ई सी (निवडक तणनाशक)

खबरदारी : हया लेबल/हस्तपत्रिकेत निवेदित केलेल्या पीकांखेरीज अन्य कुठल्याहि पीकांवर याचा उपयोग करू नये.

हे एक निवडक ऊदगमन विस्तृत पट्टयाचे वनस्पती नाशक असून त्यांत समविष्ट आहे प्रिटिलाक्लोर ए.आय. ५०% प्रमुख वस्तुमान आणि बाकी गौण सहायक पदार्थ.

प्रयोगासाठी शिफारसी :

पीक	रानटी झुडुपांचे सामान्य नांव	प्रति हेक्टेयर मात्रा ए.आय. (ग्रॉम)	सुत्रीकरण (लिटर)	पाण्यात (लिटर)	सौम्यीकरण प्रतिक्षा अंवधि-शेवटची फवारणी आणि कापणी यांत (दिवस)
पुनरोपित तांदळाची रोपे	इजिनोक्लोवा क्रुसगल्ली	५००-७५०	१.०-१.५	५००-७५०	७५-९०
	इचिनोक्लोवा कोलोनम				
	सायपरमेस डीफर्मिस				
	साथपरस इरिया				
	फिम्ब्रीस्टायलीस मिलीयासी				
	एक्लीप्टा अल्बा				
	लुझविगिया पल्वील्फोरा				
	लेप्टोक्लोवा चायानेन्सिस				
	मोनोकेरिया वॅगीनालिय				
	पॅनिकम रेपेनस				

प्रयोगासाठी वापरण्याची साधने -चामडी-कॅनव्हास पिशवीवाला फवारक, पिशविचा दाबाने चालणारा फवारक ज्याला झोत सोडणारी नळी असते.

प्रयोग करण्याचा समय-रोपांचो स्थलांतर रोपणी झाल्यावर ५ दिवसाच्या आंत पूर्व ऊदयन समयी हयाचा प्रयोग करावा.

विषबाधा झाल्याची चिन्हे आणि लक्षणे-डोकेदुखी, मळमळ वांत्या होणे गुंगी येणे वाचाबंदपडणे, डोळयांची बुब्बुले बाहेर येणे, शरीर मुडणे जिभ वळणे.

प्रथमिक ऊपचार-१. जर गिळले गेले असेल तर घशाच्या मागे बोट लावून ऊलटी करण्यास प्रवृत्त करणें. २. जर त्वचा आणि कपडे दुषित झाले असतील तर दुषित त्वचा आणि कपडे भरपूर पाणी आणि साबणाने धुवुन काढावेत. ३. जर डोळयात गेल्याने ते दुषित झाले असतील तर डोळयांना साधारण खारट पाण्याने १०-१५ मिनिटे धुवुन काढावे. ५. रोग्याला जागेपासून दूर ताज्याहवेत न्यावे.

ऊतारा- लक्षणांवर आधारित ऊपाय योजना करावी.

संग्रहण-१. वनस्पतीनाशकाची पाकीटे स्वतंत्र अशा खोलीत अगर आवरात, अन्य सामग्री वस्तू संग्रहण करण्याच्या स्थनांपासून दूर संग्राहित करावीत विशेषतः खाद्यपदार्थ संग्रहण स्थानापासून किंवा वनस्पती नाशकाचा प्रकार आणि परिमाण यावर आधारित स्वतंत्र अशा कपाटांत कडीकुलुपात ठेवावीत. २. ज्या खोल्या अगर इमारतीच्या भागांत वनस्पतीनाशकाचे संग्रहण करावयाचे तसेल ती मागा, मजबूत बांधकाम असलेली, कोरडी, भरपूर प्रकाशमय आणि खेळती हवा असणारी तसेच पुरेशा आकाराची असावी.रिकाम्या डब्यांचा निकाल लावणें- १. पाकीटे कींवा ऊरलेली सामग्री तसेचे मशीन आणि डब्बे धुण्यामुळे झालेले सांडपाणी यांची योग्य प्रकारे बिल्हेवाट लावावी जेणे करून पर्यावरण व पाणी यांचे प्रदुषण होण्यास प्रतिबंध होईल. २. ऊरलेल्या पाकीटांना तसेच बाहेर सोडून देण्यांत येऊ नये जेणे करून त्यांच्या पुनरऊपयोगाला प्रतिबंध घालता येईल. ३. पाकीटे तोडून फोडून बस्तीच्या बाहेर दुर जमिनीत गाडून टाकावीत.

प्रयोग करणा-यांनी बाळगायची खबरदारी- १. श्वसनाबरोबर आंत ओढले जाणार नाही याची व त्वचेशी संपर्क होणार नाही याची काळजी घ्यावी खास करून सौम्यीकरण करतांना सांडणे अगर शिंतोडे ऊडण्याची शक्यता असल्याने. २. केवळ ऊघडया हातांनी मिश्रण बनवू नये. ३. प्रत्येक फवारणीनंतर मिश्रण बनवायचे भांडे तसेंच फवारणी ऊपकरणे, भरपूर पाणी आणि डीटर्जंट किंवा साबणाच्या मिश्रणाने चंगल्या रितीने खळवळून धुवुन टाकावे. असे केल्यानंतरच त्यांचा ऊपयोग अन्य कीटकनाशक फवारणी साठी करावा. ४. फवारणी करावयाचे द्रावण प्रयोगानंतर ऊरले असल्यास ते शेतीच्या जमिनीत किंवा स्थिर अथवा वहाल्या पाण्यात तसेच फेकून-टाकून देवू नये असे केल्याने जलस्त्रोत प्रदुषित होण्याची शक्यता असते. ५. प्रयोग कर्त्याने संपूर्णपणे सुरक्षित असा पेहेराव करावा. जसे-रबरी हातमोजे बूट चेहरा संरक्षक आवरण किंवा धुळी पासून संरक्षणासाठी वापरला जागारा बुरखा आणि सळंग लांब मळवस्त्र किंवा रबरी ॲप्रन, शिरोवस्त्र अथवा हॅट. ६. प्रयोग करित असतांना फवारणी करणाऱ्याने खाणे पिणे अथवा धुम्रपान करणे पूर्णपणे टाळावे.

रासायनिक संयोजन -

प्रिटिलाक्लोर (सक्रिय तत्व ९४ प्रति शुद्धता पर आधारित)	: ५०.००% व/व
इमल्शीफाईंग प्रवर्तक (इथोक्सायलेटेड वनस्पती तेल)	: ४.४०% व/व
पृष्ठभाग-आर्द्रता कारक	: ३.६०% व/व
अल्कईल ॲरिल सल्फोनेट कॅल्शियम सॉल्टचे स्थिरता कारक इपोक्सीडाईसड बनस्तती तेल	: ३.००% व/व
विद्रावक सी.आय एक्स	: क्यू.एस.
एकूण	: १००.००% व/व

ಸನ್‌ರೈಸ್

ಪ್ರೆಟಿಲಾಕ್ಲೋರ್ 50%ಇಸಿ (ಆಯ್ದ ಸಸ್ಯನಾಶಕ)

ಎಚ್ಚರಿಕೆ : ಲೇಬಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಕರಪತ್ರದಲ್ಲಿಯ ಸೂಚಿಸಿದಂತೆ ಬೆಳೆಗಳ ಮೇಲೆಯೇ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಇತರ ಬೆಳೆಗಳ ಮೇಲೆ ಇದನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬಾರದು.

ಪ್ರಟಿಕ್ಲೋರ್ 50% ವಿಸ್ತೃತ ಶ್ರೇಣಿಯ ಆಯ್ದ ಸಸ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣೆಯ, ಸಮತೂಲ್ಯ ಸಹಾಯಪೂರಕವಾದ ಪ್ರಟಿಕ್ಲೋರ್ 50% ಇ.ಸಿ. ಹೊಂದಿದೆ.

ಉಪಯೋಗಿಸಲು ಸೂಚನೆಗಳು :

ಪ್ರತಿ ಬೆಳೆ	ಸಸ್ಯನಾಶಕದ ಸಾಮಾನ್ಯ ನಾಮ	ಹೆಕ್ಟರಿಗೆ ಅಂದಾಜು ಎ.ಐ. (ಗ್ರಾಂ)	ಅಳತೆ (ಲೀಟರ್)	ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಸ್ಪ್ರೇಗೆ ನಡುವಿನ ಬೀರಕೆ ಗಳಲ್ಲಿ ಅಂತರ ಲೀಟರ್	ಕಟಾವಿನ ಕೊನೆಯ
ಭತ್ತದಲ್ಲಿ ನಾಟಿ	ಇಚಿನೊಕ್ಲೊ ಕ್ರೂಸಗಲ್ಲಿ	500–750	1.0–1.5	500–750	75–90
ಮಾಡಿ	ಇಚಿನೊಕ್ಲೊ ಕುಲನಮ್				
	ಸೈಪ್ರಸ್ ಡಿಫಾರ್ಮಿಸ್				
	ಸೈಪ್ರಸ್ ಐರಿಯಾ				
	ಫಿಂಬ್ರಿಸ್ಟಲಿಸ್ ಮಿಲಿಕಾ				
	ಇಲಿಕ್ಟಾ ಆಲ್ಬಾ				
	ಲೂಡವಿಗ್ಮಿಪೂಲ್ವಫ್ಲೂರ್				
	ಲಿಪ್ಟೊಕ್ಲೊ ಚೈನಿಸಿಸ್				
	ಮೊನೊಕೊರಿಯಾ ರೆಪೆನ್ಸ್				

ಉಪಯೋಗಿಸುವಾಗ ಬಳಸುವ ಸಲಕರಣಗಳು : ಕಾನ್‌ಶಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಕೈಗಳಿಂದ ಕೆಲಸಮಾಡುವ ಪ್ಲಡ್‌ಜೆಟ್ ನಾಜಿಲ್ ಕಂಪ್ರೆಶನ್ ಕಾನ್‌ಶಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್.

ಉಪಯೋಗಿಸಲು ಸಮಯ : ಅತ್ಯವಸರ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಕ್ಕಿಂತ ಮುಂಚೆ ಎಂದರೆ ನಾಟಿಮಾಡಿದ 5 ದಿನಗಳ ನಂತರ.

ವಿಷ ಲಕ್ಷಣಗಳು : ತಲೆ ನೋವು, ನಿದ್ರಾವಾಸ್ಥೆಯಲ್ಲಿರುವುದು, ಹೊಟ್ಟೆ ತೆಳೆಯುಸಿವಿಕೆ, ನಡುಕ ಮತ್ತು ಅಪಸ್ಮಾರಕ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿರುವುದು.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸ ಸೂತ್ರಗಳು : 1) ಒಂದು ವೇಳೆ ಬಾಯಿಯ ಮುಖಾಂತರ ನುಂಗಿದಲ್ಲಿ ಕೊರಳಿನ ಮೇಲೆ ಕಚಗುಳಿ ಮಾಡುತ್ತಾ ವಾಂತಿ ಮಾಡಿಸಬೇಕು.2) ಧರಿಸಿದ ವಸ್ತ್ರಗಳು ಅಥವಾ ಶರೀರದ ಭಾಗಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಡಿದಲ್ಲಿ ಆಯಾ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಹಾಗೂ ಶರೀರದ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಹೆಚ್ಚು ನೀರಿನಿಂದ ಹಾಗೂ ಸಾಬೂನಿನಿಂದ ಶಭ್ರಪಡಿಸಬೇಕು. 3) ಕಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಸೋಂಕಿದ್ದರೆ ಸಲೈನ್ ಅಥವಾ ಶುಭ್ರವಾದ ನೀರಿನಿಂದ ಹೆಚ್ಚು ಹೆಚ್ಚು ಸಲ ಎಂದರೆ 10 ರಇಂದ 15 ನಿಮಿಷಗಳ ವರೆಗೆ ಶುಭ್ರಗೊಳಿಸಬೇಕು. 4) ರೋಗಿಯನ್ನು ಗಾಳಿ, ಬೆಳಕು ಬರುವ ಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಸ್ಥಳಾಂತರಿಸಬೇಕು.

ಪ್ರತ್ಯೌಷದ : ಲಕ್ಷಣಗಳಿಗನುಸಾರವಾಗಿ ಚಿಕಿತ್ಸ ಮಾಡಿಸಬೇಕು.

ಸಂಗ್ರಹ ಭದ್ರತೆ : 1) ಸಸ್ಯನಾಶಿನಿ ಹೊಂದಿರುವ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾದ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿ ಭದ್ರಪಡಿಸುವುದೇ ಅಲ್ಲದೆ ಅದರ ಪರಿಮಾಣವನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ ಅಲಮಾರದಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾದ ಗೂಡಿನಲ್ಲಿ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥ, ತಿನ್ನುವ ಪದಾರ್ಥಗಳಿಂದ ಹಾಗೂ ದಾಣಿಯಿಂದ ದೂರ ಇಡಬೇಕು. 2) ಸಸ್ಯನಾಶಿನಿಯನ್ನು ಭದ್ರಪಡಿಸುವ ಕೋಣೆಯ ಗಾಳಿ, ಬೆಳಕು ಸಮೃದ್ಧಿಯಾಗಿ ಬರುವುದಾಗಿರುವುದಲ್ಲಿದೆ, ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಕೋನದಿಂದ ದೊಡ್ಡದಾಗಿ, ಒಣದಾಗಿ, ಕಲುಷಿತವಾಗದಂತೆ ಇರಬೇಕು.

ಖಾಳಿ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸುವುದು : 1. ವಾತಾವರಣ ಕಲುಷಿತಗೊಳ್ಳದಂತೆ ಉಳಿದ ಖಾಳಿ ಡಬ್ಬಿಗಳು, ಮತ್ತು ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳ ಶುದ್ಧೀಕರಣವನ್ನು ವಾತಾವರಣವನ್ನು ದೃಷ್ಟಿಯಲ್ಲಿಟ್ಟು ಸುರಕ್ಷಿತವಾದ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ನಾಶಗೊಳಿಸಬೇಕು. 2. ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಮತ್ತೇ ಮರು ಬಳಕೆ ಮಾಡಬಾರದು, ಅವುಗಳನ್ನು ಮುರಿದು ಹೊತು ಇಡಬೇಕು.3. ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಎಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ತುಂಡುಗಳಾಗಿ ಮುರಿದು ಹೊತು ಇಡಬೇಕು.

ಉಪಯೋಗಿಸುವಾಗ ವಹಿಸಬೇಕಾದ ಎಚ್ಚರಿಕೆ :

1. ಸಿಂಪಡಿಸುವಾಗ ಶರೀರಕ್ಕೆ, ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ಸೋಂಕದಂತೆ ಎಚ್ಚರವಹಿಸಿ, ಹಾಫಯೇ ಶ್ವಾಸ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಿ. 2. ಬರಿಯ ಕೈಗಳಿಂದ ಬೆರೆಸಬೇಡಿ. 3. ಸಿಂಪಡಣೆ ಮುಗಿದ ನಂತರ ಉಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ನೀರಿನಿಂದ ಹಾಗೂ ಸಾಬೂನಿನಿಂದ ಶೂಭ್ರಪಡಿಸಬೇಕು. 4. ಉಳಿದ ದ್ರಾವಣ ಔಷಧಿಯನ್ನು ಎಲ್ಲಿ ಎಂದರೆ ಅಲ್ಲಿ ಹರಡದೇ ವಾತಾವರಣ ಕಲುಷಿತಗೊಳ್ಳದಂತೆ ಹರಿಯುವ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಆಗಲಿ, ನಿಂತ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಆಗಲಿ ಚೆಲ್ಲಬೇಡಿ. ಇದರಿಂದ ಕಲುಷಿತತೆ ಹರಡುವ ಸಾಧ್ಯತೆ ಇರುತ್ತದೆ. 5. ಉಪಯೋಗಿಸುವಾಗ ಸಂಪೂರ್ಣ ದೇಹವನ್ನು ರಕ್ಷಣಾ ವಸ್ತ್ರಗಳಿಂದ ಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಕೈಗಳಿಗೆ ಚೀಲ, ಮುಖ್ಯಕ್ಕೆ ಮಾಸ್ಕ, ತಲೆಗೆ ಟೋಪಿ, ಕಾಲಿಗೆ ಬೂಟು ಧರಿಸಿ ಸಂಪಡಿಸಿ. 6. ಸಂಪಡಣೆ ಮಾಡುವಾಗ ಧೂಮಪಾನ, ತಿನ್ನುವುದು, ಕುಡಿಯುವುದು, ನಮಲುವುದು ಮಾಡಬಾರದು.

ರಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ :

ಪ್ರಟಿಕಲೊರ್ (ಕನಿಷ್ಠ ಪರಿಶುದ್ಧತೆ 94% ಬ/ಬ ಎ.ಐ.)	: 50.00% w/w
ಸಮ್ಮಿಶ್ರಣಧಾತು	
ಎಥೋಕ್ಸಿಲೆಟೆಡ್ ವೆಜಿಟೇಬಲ್ ಆಯಿಲ್	: 4.40% w/w
ಸರ್ಫಟೆಂಟ್ / ವೆಟ್ಟಿಂಗ್ ಎಜೆಂಟ್	: 3.60% w/w
ಆಲ್ಕೈಲ್ ಆರೈಲ್ ಸಲ್ಫನೆಟ್ ಆಫ್ ಕ್ಯಾಲಿಶಿಯಂ ಸಾಲ್ಟ್	
ಸ್ಟಬಿಲೈಜರ್	
ಎಪೊಕ್ಸಿಡೈಜ್‌ಡ್ ವೆಜಿಟೆಬಲ್ ಆಯಿಲ್	: 3.00% w/w
ಸಾಲ್ವೆಂಟ್ ಸಿ.ಐ.ಎಕ್ಸ್,	: ತಯಾರಿಸಲು
ಮೊತ್ತ	: 100.00% w/w

ஸன்ரைஸ்

ப்ரெட்டிலாக்ளோர் 50% இ.ஸி.

தேர்ந்தெடுக்கப்பட்ட களைக்கொல்லி

எச்சரிக்கை: இணைக்கப் பட்டுள்ள துண்டு பிரசுரத்தில் குறிப்பிடப்பட்டுள்ள பயிர்களிலது மட்டுமே இம் மருந்தைப் பயன் படுத்தவும். பிற பயிர்கள் மீது பயன்படுத்தக் கூடாது.

இது களைச் செடிகள் முளைப்பதற்கு முன்னரே பயன்படுத்த வேண்டிய, சிறந்த, பலவகை களைகளையும் களையும் களைக் கொல்லியாகும். இதில் ப்ரெட்டிலாக்ளோர் மூலப் பொருள் 50 சதவிதமும் தொடர்புள்ள பிறப் பொருட் கள் மீதிதவிதமும் அடங்கியுள்ளன.

பயன்படுத்தப் பரிந்துரைகள் :

பயிர்	களையின் சாதாரணப் பெயர்	மருந்தளவு மூலப்பொருள் (கிராம்களில்)	தெளிப்பு மருந்து வடிவில் (லீட்டர்களில்)	நீரின் அளவு (லீட்டர்களில்)	ஹெக்டாருக்குத் தேவையான இறுதித் தெளிப்புக்கும் இறுதித் தெளிப்புக்கும் இடையே வேண்டிய இடைவெளி (நாட்களில்)
நடப்பட்ட நெற்பயிர்	குதிரைவாலி வரித்தநாம் புல் வட்டக்கோரை ஊசிக்கோரை பிம்ப்ரி ஸ்டைலிஸ் கரிசலாங்கண்ணி நீர்க்கிராம்பு சிலைப்புல் நீர்த்தாமரை இஞ்சிப்புல்	500-700	1.0-1.5	500-700	75-90

பயன்படுத்தும் கருவிகள்: நாப்சாக் தெளிப்பான், பரவலாக, வேகமாக வீச்சும் நுனியுடன் கூடிய அழுத்த நாப்சாக் தெளிப்பான். பயன்படுத்தவேண்டிய காலம் : நாற்று எடுத்து நடவுசெய்த 5 நாட்களுக்குப்பின்னர் உடனடியாகப் பயன்படுத்தல் வேண்டும்.

விஷத்தன்மைகள் : தலைவலி, அருவருப்பு, வாந்தி, நிதானமடைதல், கண்விழி பிதுங்குதல், உடல்கோணல் முதலியன.

முதலுதவி : 1. மருந்தை விழுங்கியிருந்தால் முதுகின் பின்புறத்தை வருடியோ, வாயில் விரலை விட்டோ வாந்தியெடுக்கச் செய்யவும். 2. தோல் பகுதிகளிலும் ஆடையின் மீதும் மருந்து விழுந்திருந்தால் அதிக நீரைப் பயன்படுத்தி சோப்புடன் நன்கு கழுவவும். 3. மருந்து கண்களில் விழுந்துவிட்டால் உடனடியாக சாதாரண சுத்தமான செலைன் நீரில் 10-15 நிமிடங்களுக்கு நன்கு கழுவவும். 4. நோயாளியை உடனடியாக காற்றோட்டமுள்ள பகுதிக்கு எடுத்துச் செல்லவும்.

மருந்துடன்மருத்துவம்:நோயின்அறிகுறிகளுக்கேற்பமருத்துவம்செய்யவும்.

பாதுகாக்கும் முறை : 1. களைக்கொல்லி மருந்துள்ள பெட்டிகள், பாக்கெட்டுகள் தனியான அறைகளில், பிற பொருட்களை, முக்கியமாக உணவுப் பொருட்களை வைக்கப்பட்ட அறைகளுக்கும், கட்டிடங்களுக்கும். தொலைவாகப் பாதுகாப்பாக வைத்திருக்க வேண்டும். மருந்தின் தன்மை, அளவுக் கேற்ப அலமாரியில் வைத்து பூட்டவும். 2. இம்மருந்தைப் பாதுகாக்கும் அறை நன்கு கட்டப்பட்டதாகவும், ஈரமற்றதாகவும், நல்ல வெளிச்சமும் காற்றோட்டமும் உள்ளதாகவும் பரந்தும் இருக்கவேண்டும். மருந்திலிருந்து வரும் ஆவியால் மாசடையாமல் இருக்க வேண்டும்.

காலி பெட்டிகளை அழிக்கும் முறை :- 1. மருந்து வைக்கப்பட்டிருந்த பெட்டிகளையும், மீதமான மருந்தையும், தெளிப்புக்குப் பயன்படுத்தப்பட்ட கருவிகளையும், பாத்திரங்களையும் கழுவிய நீரையும் பாதுகாப்பான முறையில், சுற்றுச்சூழலையும் நீர்நிலைகளையும் பாதிக்காவண்ணம் அழித்துவிடவேண்டும். 2. காலியான பெட்டிகளையும், டப்பாக்களையும் மீண்டும் பயன்படுத்தும்வண்ணம் வெளியிடங்களில் வீசியெறியக்கூடாது. 3. பெட்டிகளையும், டப்பாக்களையும் உடைத்து மக்கள் நடமாட்டம் இல்லா இடத்தில் ஆழமாகப் புதைத்துவிடவேண்டும்.

பயன்படுத்த முன்னெச்சரிக்கைகள் : 1. மருந்தை வாசனைப் பார்க்கக்கூடாது. மருந்தைக் கலக்கும்போது உடலின் மீது படாவண்ணம் விழிப்புடன் இருக்கவேண்டும். 2. மருந்தை வெறும் கைகளுடன் கலக்க வேண்டாம். 3. தெளிப்புக்குப் பின் தெளிப்பானையும், பாத்திரங்களையும் உடனடியாக, சோப்பைப் பயன்படுத்தி அதிக நீருடன் நன்கு கழுவ வேண்டும். பிற மருந்துப் பொருளைப் பயன்படுத்துமுன்னும் நன்கு கழுவ வேண்டும். 4. மீதியான தெளிப்பு மருந்தை, நீர் நிலைகள் மாசடையா வண்ணம் பாதுகாப்பான முறையில் அழித்துவிடவேண்டும். 5. மருந்தைத் தெளிக்கும் மனிதர், இரப்பரால் செய்யப்பட்ட கையுறைகள், முழு காலணிகள், முகமூடி, ஆடையின் முன்புறம் அணியும் மேலாடை தொப்பி முதலான பாதுகாப்பு ஆடைகளை, அணிய வேண்டும். 6. பயன்படுத்தும்போது புகைபிடிக்கவோ, எதையும் உண்ணவோ குடிக்கவோ கூடாது.

இரசாயனக் கலவை :

ப்ரெட்டிலாக்ளோர் மூலப்பொருள்	: 40.00% எடை/எடை
திரவப் படுத்துப்பொருள் (95% எ/எ ஆதாரமானது) (எதாக்ஸிலேட்டட் வெஜிடபுள் ஆயில்)	: 4.40% எடை/எடை
நனைப்புப் பொருள் (ஆல்கைல் அரைல் ஸல்போனேட் ஆஃப் கால்ஸியம் உப்பு)	: 3.60% எடை/எடை
நிறுத்துபொருள் (எபோக்ஸிடைஸ்ட் வெஜிடபுள் ஆயில்)	: 3.00% எடை/எடை
கரைப்புப் பொருள் சி.ஐ.எக்ஸ்	: போதுமான அளவு
மொத்தம்	: 100.00% எடை/எடை

સનરીસ

પ્રીટીલાકલોર 50% ઊઈ(પસંદગીયુકત હર્બિસાઇડ)

ખબરંદારી: સાથે આપેલ હસ્તપત્રિકામાં ઉલ્લેખ કરેલ. પાકોમાટેજ એનો પ્રયોગ કરવું જોઈએ અન્ય કોઈપણ પાકોમાટે નહી.

આ એક ચુંટી કાઢેલ પુર્વ પ્રકટવું વિસ્તૃત પટ્ટનું શકનાશી છે જેમાં સામેલ છે પ્રિટિલાકલોર એ આય ૫૦ % વિપુલ સંખ્યામા અને બાકી છે સહાયકક ગૌણ પદાર્થો દરકેકટેયર આઙું.

વાપરાશમાટે સિફારિશોઃ

પાક	ખડ/નાકામા છોડવાનો સામાન્ય નામ	પ્રતિ હેકટેયર માત્રા એ.આય. કીલો	સુત્રીકરણ (લીટરમાં)	આઙું કરવાનું (લિટર)	પ્રતિ ક્ષા અવધિ છેલ્લી છાંટથી ઉલાણી સુધી સ્થલાંતરકરી ઈચિતો કલોઆ
	કસગલ્લી	૫૦૦-૭૫૦	૧.૦-૧.૫	૫૦૦-૭૦૦	૭૫-૯૦
ફરીરોપણી	ઈચીનોકલોઆ કોલોનમ				
કરેલ ચોખાના છોડવાઓ	ડિફૉર્મિસ સાયપેરસ				
	સાયપેરસ ઈરીઆ				
	ફિંખ્રી સ્ટાયલિસ મિલીઆસી				
	એકલીપ્ટા અલ્બા,				
	બુડવિગિઆ				
	પલ્બીફલોરા લેપટો લ્કોખા ચાયનોસિસ				
	મોનોકોરિચા વૅગીનાલિસ				
	પૉનિકમ રેપેન્સ				

પ્રયોગ કરવામાટે વપરાશનાં સાધનો : ચામડી/કેનવાસના થેલીનો છાંટવાનો પંપ, દબાવા વાળો થેલીનો પંપ જેમા જેકેલ હોય છે બારિક છિદ્રમાંથી જેશબંધ નિકળતી ધારાવાળી ટોટી.

પ્રયોગ કરવાનો સમય : રોપોનું સ્થલાંતર પછી ફરી રોપણીના ૫ દિવસનાં અંદર પૂર્વ પ્રકટન રૂપમાં પ્રયોગ કરવો જોઇએ.

વિષબાધાના ચિન્હો અને લક્ષણોઃ શિરદર્દ બકારી ઉલટી, ગૅંભીરતા, બોલવામાં મુષ્કેલી, આંખના ડોળા બાંદર આંવવા શરીર વળવું જીમઉપર છારી વળવી.

પ્રાથમિક ઉપચાર : ૧. જો ગળી ગયુ હોય તો ગળાના પાછાળ ઉંગળીથી ગલીપચી કરીને તેને ઉલટી માટે પ્રેરિત કરવું. ૨. જો ત્વચા કે કપડાં દુષિત થયા હોય તો ત્વચા તેમચ દુષિત કપડાને પ્રથુરમાત્રામા પાણી લઈને સાબુથી ધોઈ નાંખુવું. ૩. જો આંખો પ્રદુષિત થયી હોય તો દુષિત આંખોને સાધારણ ખારા દોળેલા પાણી વડે ૧૦-૧૫ મિનિટ સુધી ધોઈને સાફ કરવું. ૪. રોગીને તાજી હવામાં લઈ જવું જોઇએ.

નિવારક ઉપચાર : લક્ષણો પર આધારિત ઉપાય યોજના કરવી.

સંગ્રહણ-૧. શાકનાશી ભરેલા પૅકેટો નું સંગ્રહણ એવા અલગ ઓરડા કે ઈમારત માં કરવું કે જે અન્ય સામાન સામગ્રી સંગ્રહણ ના સ્થાનો થી દુર હશે ખાસ કરીને ખાદ્યપદાર્થોના સંગ્રહણના સ્થાનોથી. અથવા તો તેમને સ્વતંત્ર કબાટોમાં તાળું મારીને રાખવું. આવી વ્યવસ્થા શાકનાશીનો પ્રકાર અને પરિમાણ નાં આધીન રહેશે.

૨. શાકનાશીના સંગ્રહણ માટે ચુંટી કાઢેલ ઓરડા કે ઈમારત મજબુત બાંધકામની, શુષ્ક, ભરપૂર પ્રકાશવાળી હવાદાર અને પુરતા પરિમાણ ની હોંવી જોઇએ જેથી ભેજ સાથે દુષિત થવાની શકયતા ના રહી જાય.

ખાલી ડિબ્બાઓનો નિકાલ : પૅકેટો અને બાકી રહેલી સામગ્રી તેમચ મશીન અને વાસણો ધોવાથી થયેલો છોણ, આ બધાનો સુરક્ષિત પદ્દતીથી નિકાલ કરવો જેનાથી પચીવરણ અને પાણીનો પ્રદુષણ રોકાવી શકાય.૨. વાપરી નાખોલા પૅકેટો મચ બાહર હોય ત્યાં પડયુ રહેવા દેવૂ નહી જેનાથી તેના ફરીથી ઉપમયોગ ના થાય. ૩. પૅકેટોને તોડી નાખીને તેમને વસવાટ તી દુર જમીનનાં દાંટવું જોઇએ.

પ્રયોગ કર્તાઓએ રાખવાની સાવચેતી : ૧. શાકનાશી પાણીસાથે મિશ્રણ કરતી વખતે છલકતા કે છિતરાતા પાણી શ્વસન ક્રીયા વ્દારા શરીરની અંદર ના જાય અને ત્વચા સાથે સંપર્ક ના થાય એની કાળજી રાખવી. ૨. ખુલ્લા હાથોથી મિશ્રણ કરવું નહી. ૩. દરેક છાંટવાની પ્રક્રિયા પછી, મિશ્રણ બનાવવાના અને છાંટવાના સાધનોને, સાબું કે ડીટર્જૅંટ ના વિલયન અને પ્રચુર માત્રામાં પાણીથી સાફ ધોઈ નાખવુ તેના પછીચ તેમનો ઉપયોગ બીજા કીટનાશકો છાંટવા માટે કરવું જોઇએ. ૪. બાકી રહેલો છાંટવાનું પ્રવાહી નો નિકાલ ખેતોની જમીનમાં, સ્થિર કે બહેતા પાનીમાં ફેકી દઇને કરવું નહી. આવું કરવાથી જલસ્ત્રોત પ્રદુષિત થવાની શકયતા રહેશે. ૪. પ્રયોગ કર્તાએ સંપૂર્ણરિતે સુરક્ષિત પેદેરાવ કરવાની આવસ્યકતા છે જેમકે રબરના હાથમોજા જુતા, ચેહરા ઢાંકવામાટે આવરણ કે ધુલ રોકવાનો બુરખો અને સળંગ લાંબુ વસ્ત્ર કે રબરનો એપ્રન શિરોવસ્ત્ર અથવા તો હૅટ. ૬. પ્રયોગ કરતી વખતે ખાનપાન વા ધુમ્રપાન કરવું નહી.

રાસાયનિક સંરચના :

પ્રિટિલાકલોર (૯૫% શુદ્ધાત એ આય પર આધારિત)	: ૫૦.૦૦% વ/વ
સંમિશ્રણ કારક	
ઇથો કસાયલેટેક વનસ્પતી તેલ	: ૪.૪૦% વ/વ
સર્ફકટંટ/આર્દ્રતા કારક	: ૩.૬૦% વ/વ
અલ્કાઇલ સલ્ફોનેટ-કેલ્શીયમ સॉલ્ટના સ્થિરતા કારક	: ૩.૦૦% વ/વ
ઇપોકસી ડાઇસડ વનસ્પતી તેલ	
વિલયન કારક સી આય એકસ	કયુ.એસ. બનાવવા માટે
કુલ	: ૧૦૦.૦૦% વ/વ